गो-ग्राम यात्रा

स्वागत...

विश्वमंगल गौ ग्राम यात्रा को रविवार रात नगर में पंहुचने पर शहीद स्मारक पर भव्य स्वागत किया गया। आरएसएस के तहसील कार्यवाह संदीप अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत कर जुलूस निकाला।
पेज -8

ब्यावर भास्कर

www.bhaskar.com

अधिवेशन- पेज-10

अंतरिक्ष पात्र और अकबर का...5

सोमवार | अजमेर | 30 नवंबर, 2009
फागुन कृष्ण पक्ष-13, 2066

काढ़ा पीने के लिए कतार...09

केकड़ी · नसीराबाद · विजयनगर· भिनाय · पीसांगन · सरवाड़· सावर · मसूदा

सार समाचार

रूपनगढ़ में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आयोजित भजन संध्या में प्रस्तुति देती कलाकार।

मेघवंशी समारोह की तैयारियां शुरू

ब्यावर. अखिल राजस्थान मेघवंशी महासभा संस्था की ओर से 1 व 2 दिसंबर को आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियों के सिलसिले में ब्यावर व आसपास के समाज बंधुओं की बैठक आयोजित की गई। संस्था सचिव भगवानसहाय जारोडिया ने बताया कि 1 व 2 दिसंबर को बाबा रामदेव मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा, स्मारिका विमोचन, भवन लोकार्पण, भामाशाह प्रतिभा सम्मान आदि कार्यक्रम समारोहपूर्वक आयोजित किए जाएंगे। समारोह में पंजाब, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान आदि राज्यों के समाजबंधु भाग लेने के लिए यहां आएंगे। इस अवसर पर शोभायात्रा शाहपुरा मोहल्ला, बोहरा पार्क के बाबा रामदेव मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए सेंदड़ा रोड स्थित सभाभवन पर पहुंचेगी।

प्रभु प्रतिमा दर्शन कार्यक्रम आज

ब्यावर| खाटूश्यामजी से अहमदाबाद पहुंच रही अखंड दीपज्योति और श्रीश्याम प्रभु की प्रतिमा का स्वागत एवं दर्शन कार्यक्रम सोमवार रात्रि आठ बजे चंपानगर स्थित वस्त्र व्यापार धर्मशाला में किया जाएगा। श्रीमती कमलादेवी रामगोपाल खेतान जलसेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अखंड दीपज्योति एवं श्यामप्रभु की प्रतिमा दर्शन के साथ आकर्षक दरबार सजाया जाएगा। इस अवसर पर गोपाल ग्रुप के गायक सतीश सिकरवार श्याम भजन संध्या प्रस्तुत करेंगे।

नारायण सिंह शिक्षक संघ के अध्यक्ष

ब्यावर. राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा जवाजा के चुनाव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाजा में संपन्न हुए। इस चुनाव में नारायणसिंह राजियावास अध्यक्ष, नारायणसिंह पंवार उपशाखा मंत्री तथा भगवानसिंह किशनपुरा निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव में मोहनलाल प्रजापति सभापति, उम्मेदसिंह मीणा उपसभाध्यक्ष, गणपतसिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ऊषा किरण महिला उपाध्यक्ष, कमला चौहान महिला मंत्री निर्विरोध निर्वाचित किए गए। इसके अलावा महेश सिंह राजपुरोहित, रामफूल मीणा, तारासिंह चौहान, लक्ष्मण सिंह, भारती बोडाना, गिरवर सिंह आदि सदस्य चुने गए।

सीधी सट्ट

सालगिरह का जश्न की
त्यारयां को छे जोर
पण साहिब महँगाई प
अब तो करल्यो गौर

\- मधुसूदन आजाद

ल्यो झांको

फोर एम
रोकेगा भ्रष्टाचार

सड़क हादसे में 2 की मौत

भास्कर न्यूज़.ब्यावर

ब्यावर. शनिवार देर रात में सेंदड़ा रोड पर हुए एक सड़क हादसे में बाइक पर सवार 2 जनों की मृत्यु हो गई। गांव ठीकराना मेंद्रातान निवासी मदनसिंह पुत्र बाबू सिंह रावत व खेम सिंह पुत्र कल्याण सिंह रावत शनिवार देर रात को एक बाइक से ब्यावर से अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान सेंदड़ा रोड पर स्थित बाईपास तिराहे पर अज्ञात वाहन ने बाइक के टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार मदनसिंह व खेमसिंह की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों मृतकों के शव को अमृतकौर अस्पताल के चीरघर में सुरक्षित रखवा दिया और अज्ञात वाहन के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी। रविवार को सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों के शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए।

डीजल से भरा टैंकर लूटा

अज्ञात लुटेरों ने पिस्तौल की नोक पर 20 हजार लीटर डीजल लूटा, चालक का अपहरण

भास्कर न्यूज़.मदनगंज-किशनगढ़

जयपुर रोड पर अज्ञात लुटेरों ने टेंकर के चालक व खलासी को पिस्तौल की नोक पर अगुवा कर इंडियन ऑयल कंपनी का डीजल से भरा टेंकर लूट लिया। लुटेरे खाली टेंकर को पाली रोड पर सुनसान इलाके में छोड़कर फरार हो गए। घटना दूदू थाना क्षेत्र के पडासौली गांव के पास घटित हुई।

मांगलियावास पुलिस ने खाली टेंकर जप्त कर व टेंकर चालक को दूदू पुलिस को सौंप दिया है। टेंकर संख्या आरजे-14-जीए-0225 जिसका मालिक प्रताप नगर निवासी मुन्ना बाडीवाला ने बताया कि 27 नवंबर को रात्रि 10 बजे उक्त टेंकर में आईओसी अजमेर डिपो से 20 हजार लीटर डीजल भरकर चालक सुरेश चौधरी जयपुर रोडवेज के लिए रवाना हुआ था। किशनगढ़ टोल नाका पार करने के बाद उसके चालक ने पाटनी पेट्रोल पंप पर डीजल भराने की सूचना दी थी। उसके बाद चालक से संपर्क नहीं होने पर उसने टेंकर का पता किया तो कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उसने बांदरसिंदरी थाने में 28 नवंबर को इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। ऑयल डिपो मांगलियावास थाना क्षेत्र में होने के कारण इसकी सूचना वहां भी दे दी गई।

इसी दौरान चालक सुरेश चौधरी का फोन आया तो उसने बताया कि गाड़ी पाली रोड़ पर सेंदड़ा थाने के पास खड़ी है। जिस पर मांगलियावास पुलिस ने मौके पर जाकर गाड़ी बरामद कर ली व चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस को टेंकर बाद में मांगलियावास पुलिस ने ट्रक चालक व टेंकर को बांदरसिंदरी पुलिस को सौंप दिया। उधर घटनास्थल की तहकीकात करने पर मामला दूदू थाने का निकला। जिस पर बांदरसिंदरी पुलिस ने उक्त मामला दूदू थाने को सौंपते हुए टेंकर व चालक को दूदू थाने में सौंप दिया।

इस तरह किया अगवा

टेंकर चालक सुरेश चौधरी द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार पडासौली के पास पाटनी पेट्रोल पंप से डीजल भराने के बाद जैसे ही वह टेंकर लेकर जयपुर की ओर रवाना हुआ। तो तीन किलोमीटर आगे 4-5 लोगों ने टोल नाके की पर्ची मांगते हुए टेंकर को रुकवा लिया। जब वह,टेंकर में रखी पर्ची ढूंढने लगा इसी दौरान टेंकर में तीन-चार लोग सवार हो गए और उन्होंने मारपीट करना शुरू कर दिया। वह कुछ समझ पाता उससे पहले ही उन्होंने पिस्तौल दिखकर जान से मारने की धमकी देते हुए चालक सुरेश व खलासी नईम के हाथ-पांव बांध दिए। बाद में केबिन में पड़ी रजाई उन पर डालकर दो-तीन लोग उन पर बैठ गए। उन्होंने ट्रक को वापस मोड़कर रवाना कर दिया।

जेके सीमेंट की कार्यशाला आज

ब्यावर. सीमेंट निर्माण कंपनी जेके लिमिटेड की ओर से स्थानीय पंचायत नोहरे में सोमवार को शाम छह बजे कारीगरों के लिए तकनीकी कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में ब्यावर, खरवा, जवाजा, मालीपुरा, पुरानी ब्यावर, सूरजपुरा, अलीपुरा आदि क्षेत्रों से 300 से अधिक कारीगर भाग लेंगे।

ब्यावर. गंदगी से अटा पड़ा बिचड़ली तालाब।

इतिहास की नज़र में बिचड़ली तालाब

सन् 1813 में ब्रिटिश सरकार की ओर से ब्यावर को सैनिक छावनी बना दी जाने के बाद कर्नल हैनरी हॉल ने ईस्ट इंडिया कंपनी से स्वीकृति लेकर बिचड़ली तलाई के पाट को गहरा और चौड़ा कराया। उस समय ब्यावर और शाहपुरा गांव के लिए यही एकमात्र तालाब था। इस तालाब पर पक्की पाल का निर्माण कराकर इसके पास खूबसूरत कंपनी बाग लगाया था। तालाब में पानी की आवक के लिए इसे सेदरिया तालाब से जोड़ा गया था। वहीं पानी ज्यादा हो जाने पर उसके निकास के लिए मकरेडा के तालाब से जोड़ा गया। उस समय बिचडली तालाब शहर का सौंदर्य और शान था। बिचडली तालाब का सौंदर्य देखने के लिए दूरदराज से लोग यहां आते थे। इसके पास बना कंपनी बाग ऐसा था जिसमें दस हजार से ज्यादा पेड़ और पौधे थे। अब यह सब बात इतिहास के पन्नों की रह गई है।

बिचड़ली तालाब बना सैप्टिक टैंक

कैमिकल और गंदगी समा रही है बिचड़ली तालाब में, तीस साल में तालाब के दो तिहाई भाग पर अतिक्रमण

रजनीश रोहिल्ला | ब्यावर

लोगों की बेपरवाही, औद्योगिकीकरण और अतिक्रमण के चलते 187 साल पुराना शहर का एकमात्र बिचड़ली तालाब अब एक सैप्टिक टैंक में तब्दील हो रहा है। कभी ब्यावर का सौन्दर्य कहलाने वाले इस तालाब के हालात अब बदतर हैं। मल, मूत्र, कैमिकल, पत्थर का पाउडर सहित सभी प्रकार की गंदगी बहकर तालाब में समा रही है।

भाषणों में तालाब के पुनरोद्धार की बात जोर शोर से हुई लेकिन अमल नहीं हुआ। तालाब का सौंदर्य जैसे-जैसे खत्म हो गया, तालाब क्षेत्र और कंपनी बाग में संभ्रात लोगों ने आना बंद कर दिया। कंपनी बाग में नशे करने वाले लोगों की संख्या बढ़नी शुरू हो गई है।

टापू बनाने की दिशा में उठा था कदम

विधायक देवीशंकर भूतड़ा के कार्यकाल में बिचड़ली तालाब के लिए तीन करोड़ की एक योजना बनाई गई थी। सिंचाई विभाग से इसके लिए एक प्रोजेक्ट बनाया गया था। प्रोजेक्ट के तहत तालाब को गंदे पानी से मुक्त किया जाना था। पर्यटन की दृष्टि से तालाब के बीच में एक सुंदर टापू बनाकर उसमें नाव चलाने का भी सपना सजाया गया था। इस दिशा में पहल करके पांच लाख रुपए का फांउटेन लगवाया गया। बाद में यह प्रोजेक्ट भी खटाई में पड़ गया।

क्या होना चाहिए

ब्यावर के इतिहास को लिपिबद्ध करने वाले वासुदेव मंगल कहते हैं कि औद्योगिक और नगरीय आधार पर ब्यावर का कितना भी विकास हो जाए। ब्यावर का असली आकर्षण तो बिचडली तालाब ही रहेगा। राजनेताओं ने इस तालाब का उद्धार कराने के नाम पर पिछले बीस साल में हुए कई चुनाव में लोगों से वोट लिए। दुर्भाग्य रहा कि बिचडली तालाब के हालात बिगडते जा रहे हैं। तालाब के पुनरोद्धार के लिए 1985 के पहले की स्थिति पर जीरो प्वाइंट लगाया जाए। सारी अवैध कॉलोनियां हटाई जाएं। सेदरिया तालाब की खड़ी की गई दीवार को ढहाया जाए, जिससे दोनों तालाब प्राकतिक रूप से फिर एक हो सकें। तालाब के पेटे की सफाई का काम योजना बनाकर जनसहयोग से बड़े पैमाने पर शुरू कराया जाए। तालाब के पेटे जमे सारे कैमिकल और पाउडर को हटाया जाए, जिससे तालाब की प्राकतिक सीर एक बार फिर से शुरू हो सके।

सीर का असर 20 किमी तक

बीचडलिया तालाब के पानी की प्राकतिक सीर का असर बीस किलोमीटर तक रहा है। इस तालाब की सीर के कारण 15 से 20 किलोमीटर तक के भू-भाग में फसल होती रही है। इस फसल से क्षेत्र के हजारों किसानो ने वर्षों तक अपने जीवनयापन किया है।

आते थे पर्यटक

कंपनी बाग से सटे तालाब में ईस्ट इंडिया कंपनी से जुड़े अफसर ठंडी हवा खाने के लिए यहां आते थे। उन्होंने तालाब के बीच एक आरामगाह भी बनाई, जिसमें वो रुका करते थे। अंग्रेजों के जाने के बाद यह सिलसिला वर्षों तक चलता रहा। बड़ी संख्या में लोग तालाब के किनारे प्राकतिक नजारों का आनंद लेते रहे।

25 साल पहले से शुरू हुआ पतन

1985 से इस तालाब का स्वरूप बदलना शुरू हुआ। इस तालाब के पास धीरे-धीरे अतिक्रमण होने लगे। तालाब के किनारे कुछ लोगों ने कपड़े की रंगाई और पत्थर के पाउडर की फैक्ट्रियां लगनी शुरू हो गई। कुछ ही सालों में कैमिकल लगातार जाने से तालाब का पानी गंदा होना शुरू हो गया। तालाब के पैंदे में पत्थर का पाउडर जमना शुरू हो गया। तालाब की प्राकतिक सीर अवरुद्ध होनी शुरू हो गई। उसके बाद आधुनिकता के दौर में प्लास्टि की थैलियां आ गई। शहर के नालों के माध्यम से तालाब में प्लास्टिक की थैलियां भी पहुंचनी शुरू हो गई। रही सही कसर लोगों ने अतिक्रमण करके पूरी कर दी। तालाब के अधिकांश भाग पर लोगों ने कब्जे जमाकर कई कॉलोनियां, बाड़िया और नोहरों का निर्माण कर लिया। इन सभी क्षेत्रों का मल मूत्र इस तालाब में पहुंचना शुरू हो गया। अब हालात यह बन गए हैं कि बिचड़ली तालाब के किनारे खड़ा रहना मुश्किल हो गया है। दुर्गंध के चलते लोगों को अपनी नाक बंद कर निकलना पड़ता है।

गूलिया तालाब का नाम

लोग तालाब को गूलिया तालाब के नाम से पुकारने लग गए। गूलिया का मतलब जिसमें सबकुछ घुल रहा हो। गूलिया तालाब नाम देकर लोगों ने अपनी जागरूकता की इतिश्री कर ली। तालाब की विशाल जमीन पर हुए अतिक्रमण और तालाब में जाने वाले गंदे पानी को रोकने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। कभी किसी संगठन ने आवाज भी उठाई तो वो भी प्रचार से ज्यादा कुछ नहीं साबित हो सकी।

राजनीतिज्ञों के वादे और इरादे

पिछले बीस साल से बिचडलिया तालाब शहर की सबसे बड़ी समस्या के रूप में छाया रहा। शहर के बनने वाले हर जनप्रतिनिधि ने इसके उद्धार की बात की लेकिन सब कुछ कागजों में सिमटा रहा। सरकार से तालाब के उद्धार के लिए योजनाएं लाने की बात हुई। कभी किसी निजी संस्था के माध्यम से इसके विकास का प्लान बना। लेकिन सब ढाक के तीन पात वाली कहावत तक रहे।

ब्यावर. जमा काई से फैल रही दुर्गंध।

ब्यावर. बिचड़ली तालाब में समाता गंदा नाला।

अपने परंपरागत व्यवसाय में व्यस्त हुए नवनिर्वाचित पार्षद : ब्यावर नगर परिषद के वार्ड 30 की पार्षद कमला रावत, वार्ड 33 के पार्षद विरधा सिंह, वार्ड 43 के विनेश भाटी और वार्ड 9 के राजेश शर्मा।

महालक्ष्मी मिल्स से मशीन खोलने का काम शुरू

भास्कर न्यूज़. ब्यावर

भारत सरकार की एक मात्र महालक्ष्मी मिल्स की पुरानी मशीनों को खोलने का काम शुरू हो गया है। श्रमिकों को इस बात की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने ठेकेदार के लोगों को मशीने खोलने से रोक दिया।

टेक्स टाईलस लेबर यूनियन के रघुनाथ वैष्णव ने बताया कि यूनियन से जुडे श्रमिकों ने गेट मिटिंग करके विरोध दर्ज कराया। बाद में पदाधिकारियों के एक शिष्ट मंडल ने अधिकारियों से मुलाकत कर उनके सामने नवीनीकरण की मांग रखी। अधिकारियों ने यूनियन के पदाधिकारियों को मिल्स के नवीनीकरण का आश्वासन दिया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि ऐसा नहीं किया गया तो खोली गई मशीनों को मिल्स से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।